

12/3/18 वकील उभय पक्ष उपस्थित। वहस
सुनी गई। पतावली वास्तु निर्णय
दिनांक 14/3/18 को पेश हो। (2)

14/3/18 वकील उभय पक्ष उपस्थित। पतावली
का अवलोकन किया गया। खर्चपत्र
में तथ्य इस प्रकार है कि वारीगन
ने दिनांक 11/3/18 को निरुद्ध प्रतिवारीगन
वाद प्रस्तुत भूमि चक्र नं० 195. S.W. के
खाता संख्या 71/54 वी 4.301 हे० भूमि
की घोषणा एवं लाता तकसीम हेतु
वाद प्रस्तुत किया। वाद वारीगन प्रस्तुत
होने पर दर्ज रजिस्टर किया गया।
प्रतिवारीगन को जरिए खमन तलब
किया गया। दिनांक 6/3/18 को वारीगन
एवं प्रतिवारीगन नं० 1 ता 8 ने उपस्थित
होकर राजीनामा पेश किया जो वाद
तस्वीक शामिल फाइल किया गया।
प्रतिवारी नं० 9 स्ट्रेट की ओर से जवाब
पेश किया कि राज्य हित को सुरक्षित
रखा जाकर वाद का निस्तारण किया
जाव। विद्वान अभिभाषक उभय पक्ष
की वहस सुनी गई। पतावली का
अवलोकन किया गया। विद्वान
अभिभाषक उभय पक्ष ने मुताबिक
राजीनामा वाद वारीगन अन्तिम डिक्री
लिए जान हेतु तर्क प्रस्तुत किया।
विद्वान अभिभाषक उभय पक्ष की

<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज</p>	<p>नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए</p>
--	---

बहस पर मनन करने एवं पचावली नो अपलोकन परान्त वाड वारीगण बरए रजनीनामा दिनांक 21/3/2018 अन्तिम डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि चारगुस्त भूमि चक्र 195.5.01 के खाता संख्या 71154 की 4.301 हे० भूमि में वारी न० 1 कृष्णचन्द्र प० न० 124/313 (33) कि० न० 5, 6, 15 प० न० 124/312 (32) कि० न० 25 कुल 1.012 हे० भूमि के व वारी न० 2 कुलवीप कुमार प० न० 125/312 (31) कि० न० 21 ता 24 की 1.012 हे० वरेयर भूमि के प्रतिवारी न० 1 रामचन्द्र प० न० 125/313 (34) कि० न० 1, 2, 3, 4, 5 की 1.265 हे० वरेयर भूमि के प्रतिवारी सं० 4 विजय कुमार प० न० 125/313 (34) कि० न० 8, 9, 10, 11 की 1.012 हे० वरेयर भूमि के खातेदार चारतकार है। प्रतिवारी न० 2, 3 व 5 ता 8 कोर्ट एक व हिस्सा नहीं लेना चाहती है। इसलिए इनका कोर्ट एक व हिस्सा नहीं है। इसी अनुसार राजस्व रेकार्ड फुरुस्त कर खाता व लगान अलग-अलग कायम किया जावे। तादाद 100 रु० का स्टाम्प तकमीलन शामिल फाईल करवाया जावे। पचाव डिक्री जारी कर सलफन की जावे। प्यय वाड उत्रय पक्ष वारीगण। प्रतिवारीगण सेवय अपना-अपना बहन करेगे। पचावली नम्बर से काम की जाकर प्याड तर्तीब तकमीलजाबता दारिखल दन्तर है। आदेश बसर इजलास सुनाया गया।

सहोषक कलामटर एवं उपखण्डाधिकारी हनुमानगढ़